वर्ष 2020–2021 के दौरान राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान, रूड़की द्वारा किए गए हिंदी कार्यों की रिपोर्ट

राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान, रूड़की भारत सरकार की राजभाषा नीति के कार्यान्वयन संबंधी उद्देश्यों को पूरा करने के लिए राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय द्वारा जारी समस्त आदेशों का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए पूर्ण रूप से प्रतिबद्ध है। संस्थान संघ की राजभाषा नीति के व्यापक प्रचार–प्रसार तथा समुचित कार्यान्वयन के लिए निरंतर प्रयास कर रहा है। इन उद्देश्यों की पूर्ति के सिलसिले में संस्थान रोजमर्रा के सामान्य काम–काज के साथ–साथ तकनीकी एवं वैज्ञानिक प्रकृति के कार्यों में भी राजभाषा हिंदी को समुचित बढ़ावा दे रहा है। संस्थान में 80 प्रतिशत से भी अधिक पदाधिकारियों को हिंदी का कार्यसाधक ज्ञान प्राप्त है। इसलिए उसे भारत सरकार द्वारा राजभाषा नियम 10(4) के अंतर्गत अधिसूचित किया गया है। संस्थान राजभाषा विभाग द्वारा जारी वार्षिक कार्यक्रम को ध्यान में रखते हुए हर वर्ष अपना एक कार्यक्रम तैयार करता है जिसे पूरे वर्ष के दौरान विभिन्न गतिविधियों के आयोजन द्वारा कार्यान्वित किया जाता है।

सरकारी कामकाज में राजभाषा हिंदी के प्रयोग को प्रेरणा एवं प्रोत्साहन के माध्यम से बढ़ावा देने के पूरे प्रयास किए जाते हैं। राजभाषा हिंदी के प्रयोग के प्रति अधिकारियों और कर्मचारियों के मन में एक सार्थक सोच विकसित हो और इस दिशा में उनकी रूचि बढ़े, इसके लिए राजभाषा विभाग तथा जल संसाधन, नदी विकास एवं गंगा संरक्षण विभाग, जल शक्ति मंत्रालय के दिशा–निर्देशों के अनुसार कर्मचारियों के लिए ''सरकारी कामकाज (टिप्पण/आलेखन) मूल रूप से हिंदी में करने संबंधी'' प्रोत्साहन योजना लागू की गई है।

संस्थान में राजभाषा अधिनियम 1963 की धारा 3(3) का समुचित अनुपालन सुनिश्चित किया जा रहा है। इसके तहत संस्थान परिसर में लगे सभी साइन बोर्डों एवं नाम पट्टों को द्विभाषी रूप में बनवाया गया है। रबड़ की मोहरें, रजिस्टर, फाइल शीर्ष तथा मानक फॉर्म द्विभाषी रूप में उपलब्ध हैं तथा इन्हें प्रयोग में भी लाया जा रहा है।

वर्ष 2020–2021 के दौरान राजभाषा हिंदी के प्रगामी प्रयोग, प्रचार–प्रसार व विकास में अपेक्षित वृद्धि सुनिश्चित करने के उद्देश्य से संस्थान में अनेक गतिविधियां आयोजित की गई। इन गतिविधियों में से कुछ प्रमुख एवं महत्वपूर्ण गतिविधियां इस प्रकार हैं :–

- नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, हरिद्वार द्वारा दिनांक **15 जुलाई, 2020** को आयोजित समन्वयकर्ता सम्मेलन में संस्थान के दो अधिकारियों ने प्रतिभाग किया।
- नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, हरिद्वार के सदस्य संगठनों के लिए बी.एच.ई.एल, हरिद्वार द्वारा दिनांक **29 जुलाई, 2020** को आयोजित ऑनलाइन ''हिंदी/यूनीकोड कार्यशाला'' में संस्थान के 20 पदाधिकारियों ने प्रतिभाग कर प्रशिक्षण प्राप्त किया।

- नगर राजभाषा कार्यन्वयन समिति, हरिद्वार की दिनांक **04 अगस्त, 2020** को आयोजित 30वीं ऑनलाइन अर्धवार्षिक बैठक में निदेशक राजसं सहित संस्थान के कुल तीन अधिकारियों ने प्रतिभाग किया।
- संस्थान में राजभाषा विभाग द्वारा लागू ''सरकारी कामकाज मूलरूप से हिंदी में करने'' संबंधी प्रोत्साहन योजना के तहत दिनांक **15 अगस्त, 2020** को संस्थान के 10 पदाधिकारियों को नकद पुरस्कार प्रदान किए गए।
- संस्थान में दिनांक **07 सितंबर, 2020 से 14 सितंबर, 2020** तक हिंदी सप्ताह का आयोजन किया गया। इस दौरान हिंदी की चार प्रतियोगिताएं आयोजित की गई तथा बेहतर प्रदर्शन करने वाले 19 प्रतिभागियों को नकद पुरस्कार एवं प्रमाण–पत्र प्रदान किए गए।
- नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, हरिद्वार द्वारा दिनांक **15 सितंबर, 2020** को आयोजित ''हिंदी/यूनीकोड कार्यशाला'' में संस्थान के 07 पदाधिकारियों ने प्रतिभाग कर प्रशिक्षण प्राप्त किया।
- संस्थान की वार्षिक पत्रिका ''प्रवाहिनी'' के 27वें अंक का प्रकाशन किया गया, जिसका विमोचन दिनांक **24 सितम्बर, 2020** को किया गया।
- नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, हरिद्वार द्वारा दिनांक **24 सितंबर, 2020** को अपने सदस्य संस्थानों के लिए आयोजित ऑनलाइन ''हिंदी प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता'' में संस्थान के 04 पदाधिकारियों ने प्रतिभाग किया। इस प्रतियोगिता में श्रीमती अंजु चौधरी, प्रधान शोध सहायक ने तृतीय पुरस्कार प्राप्त किया ।
- संस्थान की राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 77वीं तथा 78वीं तिमाही बैठकें क्रमशः **07 अक्तूबर, 2020 तथा 12 मार्च, 2021** को निदेशक राजसं की अध्यक्षता में आयोजित की गई। इन बैठकों में राजभाषा संबंधी कार्यों की समीक्षा की गई तथा सरकारी कामकाज में राजभाषा हिंदी के प्रगामी प्रयोग को बढ़ाने के संदर्भ में भावी कार्य योजनाएं तैयार की गई।
- संस्थान के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए ''भारत सरकार की राजभाषा नीति, नोटिंग/ड्राफ्टिंग, हिंदी पत्र लेखन, कम्प्यूटर पर हिंदी कार्य, प्रोत्साहन योजनाएं, प्रयोजनमूलक हिंदी'' आदि विषयों पर दिनांक **20 अक्तूबर, 2020** तथा **19 मार्च, 2021** को हिंदी कार्यशालाओं का आयोजन किया गया जिसमें कुल 34 पदाधिकारियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया।
- संस्थान द्वारा नराकास, हरिद्वार की वार्षिक पत्रिका **''ज्ञान प्रकाश''** के 8वें अंक का प्रकाशन किया गया। जिसका ऑनलाइन विमोचन 21 जनवरी, 2021 को हुआ।
- नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, हरिद्वार की दिनांक **21 जनवरी, 2021** को आयोजित 31वीं अर्धवार्षिक बैठक में निदेशक राजसं सहित संस्थान के कुल 04 पदाधिकारियों ने भाग लिया।

- दिनांक **29 जनवरी, 2021** को क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय, उत्तर क्षेत्र, गाजियाबाद के उपनिदेशक (कार्यान्वयन) द्वारा संस्थान के राजभाषा संबंधी कार्यों का निरीक्षण किया गया।
- संस्थान द्वारा अर्धवार्षिक तकनीकी पत्रिका **"जल चेतना"** के दो अंक प्रकाशित किए गए।